अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत समग्र मछली पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई -II द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत अंगीकृत गांव पवाया में समग्र मछली पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समग्र मछली पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित किसानो को संबोधित करते हुए डॉ पंकज नौटियाल ,अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किसानों को एकीकृत फसल प्रणाली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया | उन्होंने बताया कि एकीकृत फसल प्रणाली में मछली पालन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मछली पालन में तालाब के संपूर्ण संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए किस प्रकार मछली उत्पादन किया जा सकता है इस विषय पर विस्तार से जानकारी धन्गा अनसूया, विशेषज्ञ ,मत्स्य संसाधन प्रबंधन द्वारा दी गई उन्होंने बताया की 0.5 से लेकर 2 हेक्टेयर आकार तक का तालाब आदर्श तालाब होता है जिसमें लगभग छह प्रकार की मछलियां जैसे भाकुर या कतला,रोहू कॉमन कॉर्प, सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प का पालन किया जा सकता है तथा अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। मछली के पोषणीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए अंजलि साहू, विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान द्वारा स्वास्थ्य के लिए पोषक भोजन पर जानकारी दी गई। समसामयिक विषयों पर प्रकाश डालते हुए डॉ त्रलोकी सिंह ,विशेषज्ञ सत्य विज्ञान ने फसलों में पोषक तत्व प्रबंधन एवं सिंचाई प्रबंधन पर जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 27 किसानों एवं महिलाओ ने भाग लिया।